भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न 24
मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025/11 अग्रहायण,1947 (शक) को उत्तरार्थ

भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड

*24. **श्री सतीश कुमार गौतमः**

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) का विचार पारंपरिक बीजों का संरक्षण और संवर्धन करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अब तक क्या विभिन्न कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या बीबीएसएसएल अपनी चल रही पहलों के भाग के रूप में पारंपरिक स्वदेशी बीज किस्मों का प्रलेखन और संरक्षण करने का कार्य कर रहा है;

(घ) क्या पारंपरिक बीजों को बढ़ावा देने के लिए बीबीएसएसएल की पहल में स्थानीय समुदायों और पारंपरिक बीज संरक्षणवादियों या कार्यकर्ताओं को शामिल किया जा रहा है; और

(ङ) क्या बीबीएसएसएल पारंपरिक बीजों की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों के साथ सह्योग कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) से (ङ): सदन के पटल पर एक विवरणी रखी गई है ।

श्री सतीश कुमार गौतम द्वारा "भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड" के संबंध में पूछे गए दिनांक 02 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 24 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): जी हां, मान्यवर । भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की स्थापना भारत बीज ब्रांड नाम के अधीन उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रापण और वितरण कार्य करने और देशज पारंपरिक बीजों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थापित किया गया है ।

(ख) BBSSL ने पारंपरिक बीज किस्मों के संवर्धन हेतु प्रमुख रणनीतिक पहलें की हैं । BBSSL ने पारंपरिक बीज किस्मों के संरक्षण और प्रसार में लगे किसानों और किसान समूहों को साथ लाने, कृषि जलवायु मानचित्रण और पोषण विश्लेषण, बीज सामग्री के शुद्धिकरण, और उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना और दक्षिणी राज्यों में डिजिटल संग्रह के निर्माण के लिए उत्तराखंड में IRDF, तेलंगाना में इंटरनेशन क्रॉप इंस्टीट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (ICRISAT) और कर्नाटक में श्री साई फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (MOUs) पर भी हस्ताक्षर किए हैं ।

(ग): जी हां, मान्यवर । यह BBSSL के अधिदेशों में से एक है ।

(घ): जी हां, मान्यवर । समुदाय आधारित भागीदारी ICRISAT, इंडियन रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन (IRDF) और श्री इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस के माध्यम से की जाती है ।

(ङ): जी हां, मान्यवर । पारंपरिक बीजों की पहचान और संवर्धन के लिए BBSSL राज्य सरकारों के साथ सहयोग कर रही है । अब तक चार राज्यों ने सहयोग के लिए अपनी रुचि दिखाई है ।

*****